Chapter- 5

ओणम

STUDY NOTES

MIND MAP

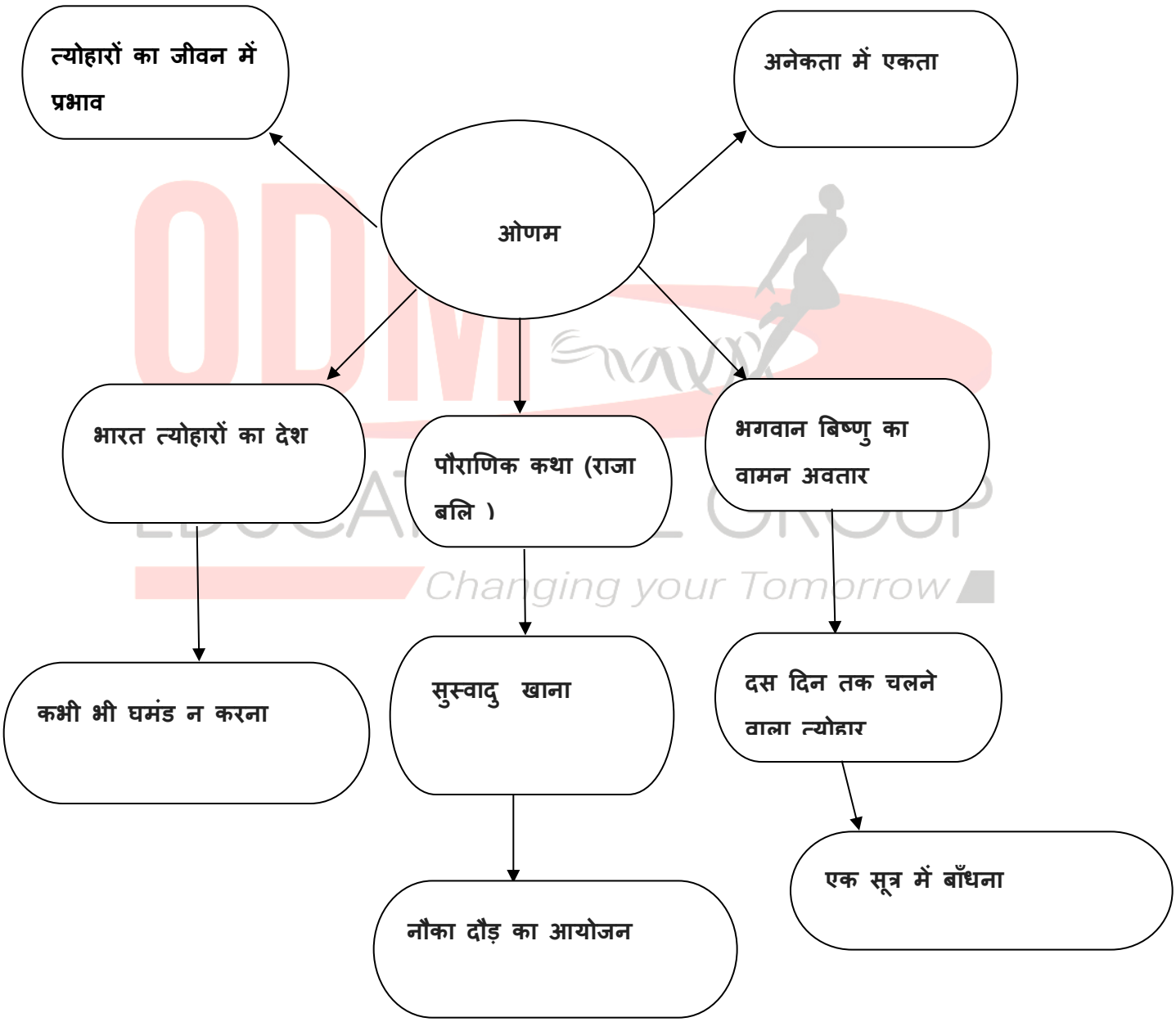

पाठ प्रवेश

- भारत त्योहारों का देश माना जाता है। कुछ त्योहार पूरे भारत में मनाए जाते हैं तो कुछ राज्यों के अनुसार। ओणम केरल का प्रसिद्ध त्योहार है। ओणम मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है जिसमें बताया गया है कि केरल राज्य में राजा महाबलि था जो अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध था। राजा बलि को अपने-आप पर घमंड होने लगा। इंद्र देवता को यह देख चिंता होने लगी। उन्होंने विष्णु जी की सहायता ली। विष्णु ने वामन अवतार ले तीन पग भूमि माँगी। पहले पग में पृथ्वी, दूसरे में आकाश नापा तथा तीसरा पग महाबलि के सिर पर रख उसे पाताल भेजा। साल में एक दिन राजा बलि अपनी प्रजा से मिलने आते हैं और अपने राज्य की खुशहाली देखकर संतुष्ट होते हैं। यही दिन ओणम का दिन है जो 'फ़सल पर्व' के रूप में मनायाजाता है। दस दिनों तक यह पर्व चलता है जिसमें केरल की सांस्कृतिक छाप दिखाई देती है। महिलाएँ नए वस्त्र पहनती हैं, बुजुर्ग महिलाएँ छोटों को उपहार देती हैं। फूलों से सजी रंगोली के बीच पीतल या काँसे का दीपक रखा जाता है। भगवान को चावल, गुड़, घी तथा दूध से बनी खीर का भोग चढ़ाया जाता है। इस मौके पर नौका दौड़ होती है। यह नौका 100 फुट लंबी होती है। इसे 150 चालक चलाते हैं। अमीर-गरीब का भेदभाव भूलकर यह पर्व आनंद और उल्लास से मनाया जाता है।

पाठ सार

- ओणम का त्योहार दक्षिण भारत में खासकर केरल में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है. ओणम को खासतौर पर खेतों में फसल की अच्छी उपज के लिए मनाया जाता है. ये पर्व 22 अगस्त से शुरु होता है और ये पर्व पूरे 10 दिन तक चलता है । यह त्यौहार समाज में समरसता की भावना और भाईचारे का संदेश देता है ओणम का त्योहार दक्षिण भारत में खासकर केरल में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है. ओणम को खासतौर पर खेतों में फसल की अच्छी उपज के लिए मनाया जाता है. 1 सितंबर से शुरू हुआ यह त्योहार 13 सितंबर तक मनाया जाता है । ओणम इसलिए भी विशेष है क्योंकि इसकी पूजा मंदिर में नहीं बल्कि घर में की जाती है. ओणम को मनाने के पीछे एक पौराणिक मान्यता है. कहा जाता है कि केरल में महाबली नाम का एक असुर राजा था. उसके आदर सत्कार में ही ओणम त्योहार मनाया जाता है, ओणम पर्व का खेती और किसानों से गहरा संबंध है. किसान अपने फसलों की सुरक्षा और अच्छी उपज के लिए श्रावण देवता और पुष्पदेवी की आराधना करते हैं. फसल पकने की खुशी लोगों के मन में एक नई उम्मीद और विश्वास जगाती है. इन दिनों पूरे घर की विशेष साफ-सफाई की जाती है. इसके बाद लोग पूरे घर को फूलों से सजाते हैं. घरों को फूलों से सजाने का कार्यक्रम चलता है । लोग अपने दरवाजे पर फूलों की रंगोली भी बनाते हैं ।
- केरल में ओणम का त्योहार 10 दिनों तक चलता है, इस दिन घरों में ही पूजा की जाती है. घर के अंदर फूल-ग्रह बनाया जाता है. इसके लिए एक साफ कमरे में सर्कल में फूल सजाए जाते हैं, जिसे

लगातार 8 दिन तक सजाया जाता है. वहीं नौंवे दिन घर के अंदर भगवान विष्णु की मूर्ति रखी जाती है. जिसकी पूजा में घर के लोग मौजूद होते हैं और लोग गीत गाते हैं. इसके साथ ही रात में समय श्रावण देवता और गणपति की पूजा होती है और 10वें दिन मूर्ति को विसर्जन कर दिया जाता है। अमीर गरीब का भेद भाव भूलकर लोग यह त्योहार को आनंद और उल्लास से मनाते हैं ।

****

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow